चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.12.24	3	6-8

समाज उत्थान में डॉ. अंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान : वीसी

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के सभागार में भारतीय संविधान के 75 वर्ष होने पर हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान के तहत संविधान सभा में डॉ. अंबेडकर की भूमिका व प्रभाव विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि डॉ. बीआर आंबेडकर अध्ययन केंद्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने अध्यक्षता की।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि भारतीय समाज के उत्थान में डॉ. भीम राव आंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान रहा है। मुख्य वक्ता डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया कि देश में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के बारे में सबसे ज्यादा शोध हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13.12.24	3	2-5

डा. आंबेडकर ने देश को किया संगठित : कुलपति

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय में भारतीय संविधान के 75 वर्ष होने पर हमारा संविधान- हमारा स्वाभिमान के तहत संविधान सभा में डा. आंबेडकर की भूमिका व प्रभाव विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि व डा. बीआर आंबेडकर अध्ययन केंद्र कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के निदेशक डा. प्रीतम सिंह मुख्य वक्ता रहे। कुलसचिव डा. पवन ने अध्यक्षता की।

कुलपति ने कहा कि भारतीय समाज के उत्थान में डा. भीम राव आंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान रहा है। जीवनपर्यन्त असमानता, अशिक्षा जैसी बुराइयों को मिटा कर उन्होंने सभी जाति व धर्म के लोगों को एक सूत्र में पिरोकर देश को संगठित किया व समरसता स्थापित की। डा. भीम राव आंबेडकर ने संविधान सभा व भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के तौर पर भी कार्य किया। वह एक महान नेता, व समाज सुधारक थे जिन्होंने भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डा. आंबेडकर ने शिक्षा, पर्यावरण, कानून और अर्थशास्त्र सहित विभिन्न विषयों पर भी समाज को नई दिशा देने के लिए कार्य किया।

हकृवि में हमारा संविधान- हमारा स्वाभिमान के तहत संविधान सभा में डा. आंबेडकर की भूमिका व प्रभाव विषय पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते मुख्यातिथि प्रो. बीआर. काम्बोज। • पीआरओ

कैंपस स्कूल के विद्यार्थियों ने संविधान के बारे में दी प्रस्तुतियां

मुख्य वक्ता डा. प्रीतम सिंह ने डा. आंबेडकर के योगदान के बारे में दो पुस्तकें भी लिखी है। कैंपस स्कूल की छात्रा योगिता व दिव्यांशी, राजकीय उच्च विद्यालय की छात्रा कुमकुम ने संविधान के बारे में अपनी प्रस्तुतियां दी। कुलसचिव एवं कार्यक्रम के आयोजक डा. पवन कुमार ने सभी का स्वागत किया। मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच संचालन छात्रा भाग्यश्री ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	13.12.24	8	6-8

संविधान निर्माण व समाज उत्थान में बाबा साहेब का अविस्मरणीय योगदान : काम्बोज

हकृवि में डॉ. अंबेडकर की भूमिका व प्रभाव पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 12 दिसंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के सभागार में भारतीय संविधान के 75 वर्ष होने पर 'हमारा संविधान- हमारा स्वाभिमान' के तहत डॉ. अंबेडकर की भूमिका व प्रभाव विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि डॉ. बी.आर. अंबेडकर अध्ययन केंद्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे व कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने अध्यक्षता की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारतीय समाज के उत्थान में डॉ. भीम राव आंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान रहा है। जीवनपर्यन्त असमानता, अशिक्षा जैसी बुराइयों को मिटा कर उन्होंने सभी जाति व धर्म के लोगों को एक सूत्र में पिरोकर देश को संगठित किया व समरसता स्थापित की। उनका दृष्टिकोण और विचारधारा मानववादी रही। उन्होंने बताया कि संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार द्वारा आगामी एक वर्ष तक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे जिनमें विद्यार्थियों व आम नागरिकों को संविधान से संबंधित सभी जानकारियां उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्य वक्ता डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया कि देश में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व संविधान निर्माता डॉ. भीम राव अंबेडकर के बारे में सबसे ज्यादा शोध हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य अधिकारी। -हप्र

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	13-12-24	3	7-8

संविधान निर्माण व समाज उत्थान में डा. अंबेदकर का अविस्मरणीय योगदान : प्रो.काम्बोज

कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य अधिकारीगण

हिसार, 12 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के सभागार में भारतीय संविधान के 75 वर्ष होने पर हमारा संविधान- हमारा स्वाभिमान के तहत संविधान सभा में डॉ. अंबेदकर की भूमिका व प्रभाव विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि डॉ. बी.आर. अंबेदकर अध्ययन केंद्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के निदेशक डॉ प्रीतम सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहें व कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने अध्यक्षता की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारतीय समाज के उत्थान में डॉ. भीम राव अंबेदकर का अविस्मरणीय योगदान रहा है।

जीवनपर्यन्त असमानता, अशिक्षा जैसी बुराइयों को मिटा कर उन्होंने सभी जाति व धर्म के लोगों को एक सूत्र में पिरोकर देश को संगठित किया व समरसता स्थापित की। कार्यक्रम में कैंपस स्कूल की छात्रा योगिता व दिव्यांशी, राजकीय उच्च विद्यालय की छात्रा कुमकुम ने संविधान के बारे में अपनी प्रस्तुतियां दी। मंच संचालन छात्रा भाग्यश्री ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी, विद्यार्थी मौजूद रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13.12.24	4	1-2

संविधान निर्माण व समाज उत्थान में डॉ. आंबेडकर का है अविस्मरणीय योगदान

कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य अधिकारीगण। स्रोत : संस्थान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के सभागार में हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान के तहत संविधान सभा में डॉ. आंबेडकर की भूमिका व प्रभाव विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि समाज के उत्थान और संविधान निर्माण में डॉ. आंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान रहा।

उन्होंने कहा कि असमानता, अशिक्षा जैसी बुराइयों को मिटा कर बाबा साहेब ने सभी जाति व धर्म के लोगों को एक सूत्र में पिरोकर देश को संगठित किया व समरसता स्थापित की।

कार्यक्रम में डॉ. बीआर आंबेडकर अध्ययन केंद्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने अध्यक्षता की। कैंपस स्कूल की छात्रा योगिता व दिव्यांशी, राजकीय उच्च विद्यालय की कुमकुम ने संविधान के बारे में अपनी प्रस्तुतियां दीं। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	13-12-24	5	1-4

संविधान निर्माण व समाज उत्थान में डॉ. भीम राव अंबेदकर का अविस्मरणीय योगदान : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 12 दिसम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के सभागार में भारतीय संविधान के 75 वर्ष होने पर हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान के तहत संविधान सभा में डॉ. अंबेदकर की भूमिका व प्रभाव विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि डॉ. बी.आर. आंबेडकर अध्ययन केंद्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के निदेशक डॉ प्रीतम सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहें व कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने अध्यक्षता की। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारतीय समाज के उत्थान में डॉ. भीम राव अंबेदकर का अविस्मरणीय योगदान रहा है। जीवनपर्यन्त असमानता, अशिक्षा जैसी बुराइयों को मिटा कर उन्होंने सभी जाति व धर्म के लोगों को एक सूत्र में पिरोकर देश को संगठित किया व समरसता स्थापित की। डॉ. भीम राव अंबेदकर ने संविधान सभा व भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सविधान सभा की

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज।

ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के तौर पर भी कार्य किया। वह एक महान नेता, व समाज सुधारक थे जिन्होनें भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका दृष्टिकोण और विचारधारा मानववादी रही। डॉ आंबेडकर ने शिक्षा, पर्यावरण, कानून और अर्थशास्त्र सहित विभिन्न विषयों पर भी समाज को नई दिशा देने के लिए कार्य किया। उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान को ड्राफ्ट करने में दिए विशेष योगदान के लिए भी हम उन्हें याद करते हैं। भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार द्वारा आगामी एक वर्ष तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएगें जिनमें विद्यार्थियों व आम नागरिकों को संविधान से संबंधित सभी जानकारियां उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्य वक्ता डॉ प्रीतम सिंह ने बताया कि हम संविधान और डॉ. आंबेडकर को अलग-अलग करके नही देख सकतें। उन्होनें बताया कि देश में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व संविधान निर्माता डॉ भीम राव आंबेडकर के बारे में सबसे ज्यादा शोध हुआ है। उन्होनें डॉ आंबेडकर के जनकल्याणकारी कार्यों और उनके योगदान के बारे मे विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि विशाल व्यक्तित्व के धनी डॉ आंबेडकर ने देश की प्रगति और उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है व उनके बारे में अधिक जानने के लिए 25 व 26 नवम्बर 1949 को उनके द्वारा दिए गए भाषणों को व संविधान सभा की डिबेट पढनी चाहिए। क्योंकि इससे डॉ आंबेडकर की सविधान के निर्माण में भूमिका के बारे विस्तृत जानकारी मिलती है। उन्होनें बताया कि बहुत सारे लेखकों ने डॉ. आंबेडकर के बारे में पुस्तकें लिखी है लेकिन उन लेखकों ने अपनी पुस्तकों में अपने विचार समाहित कर दिए लेकिन प्रसिद्ध भारतीय लेखक धनजंय कीर व दत्तोपंत ठेगड़ी द्वारा लिखित पुस्तक में डॉ. आंबेडकर के कार्यों व विचारों को मूल रूप से संकलित किया गया है। मुख्य वक्ता डॉ प्रीतम सिंह ने डॉ. आंबेडकर के योगदान के बारे में दो पुस्तकें भी लिखी है। कार्यक्रम में कैंपस स्कूल की छात्रा योगिता व दिव्यांशी, राजकीय उच्च विद्यालय की छात्रा कुमकुम ने संविधान के बारे में अपनी प्रस्तुतियां दी। कुलसचिव एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ पवन कुमार ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच संचालन छात्रा भाग्यश्री ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी, विद्यार्थी मौजूद रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	12.12.2024	--	--

p

संविधान निर्माण व समाज उत्थान में डॉ. भीम राव आंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के सभागार में भारतीय संविधान के 75 वर्ष होने पर हमारा संविधान- हमारा स्वाभिमान के तहत संविधान सभा में डॉ. अंबेडकर की भूमिका व प्रभाव विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि डॉ. बी.आर. आंबेडकर अध्ययन केंद्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के निदेशक डॉ प्रीतम सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहें व कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने अध्यक्षता की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारतीय समाज के उत्थान में डॉ. भीम राव आंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान रहा है। जीवनपर्यन्त असमानता, अशिक्षा जैसी बुराइयों को मिटा कर उन्होंने सभी जाति व धर्म के लोगों को एक सूत्र में पिरोकर देश को संगठित किया व समरसता स्थापित की। डॉ. भीम राव आंबेडकर ने संविधान सभा व भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने संविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के तौर पर भी कार्य

किया। वह एक महान नेता, व समाज सुधारक थे जिन्होंने भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका दृष्टिकोण और विचारधारा मानववादी रही। डॉ आंबेडकर ने शिक्षा, पर्यावरण, कानून और अर्थशास्त्र सहित विभिन्न विषयों पर भी समाज को नई दिशा देने के लिए कार्य किया। उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान को ड्राफ्ट करने में दिए विशेष योगदान के लिए भी हम उन्हें याद करते हैं। भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार द्वारा आगामी एक वर्ष तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएगें जिनमें विद्यार्थियों व आम नागरिकों को संविधान से संबंधित सभी जानकारियां उपलब्ध करवाई जाएगी।

मुख्य वक्ता डॉ प्रीतम सिंह ने बताया कि हम संविधान और डॉ. आंबेडकर को अलग-अलग करके नही देख सकते। उन्होंने बताया कि देश में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व संविधान निर्माता डॉ भीम राव आंबेडकर के बारे में सबसे ज्यादा शोध हुआ है। उन्होंने डॉ आंबेडकर के जनकल्याणकारी कार्यों और उनके योगदान के बारे मे विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि विशाल व्यक्तित्व के धनी डॉ आंबेडकर ने देश की प्रगति और उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है व उनके बारे में अधिक जानने के लिए 25 व 26 नवम्बर 1949 को उनके द्वारा दिए गए भाषणों को व संविधान सभा की डिबेट पढनी चाहिए। क्योंकि इससे डॉ आंबेडकर की संविधान के निर्माण में भूमिका के बारे विस्तृत जानकारी मिलती है।

उन्होंने बताया कि बहुत सारे लेखकों ने डॉ आंबेडकर के बारे में पुस्तकें लिखी है लेकिन उन लेखकों ने अपनी पुस्तकों में अपने विचार समाहित कर दिए लेकिन प्रसिद्ध भारतीय लेखक धनजंय कीर व दत्तोपंत ठेगड़ी द्वारा लिखित पुस्तक में डॉ आंबेडकर के कार्यों व विचारों को मूल रूप से संकलित किया गया है। मुख्य वक्ता डॉ प्रीतम सिंह ने डॉ आंबेडकर के योगदान के बारे में दो पुस्तकें भी लिखी है। कार्यक्रम में कैंपस स्कूल की छात्रा योगिता व दिव्यांशी, राजकीय उच्च विद्यालय की छात्रा कुमकुम ने संविधान के बारे में अपनी प्रस्तुतियां दी। कुलसचिव एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ पवन कुमार ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग	12.12.2024	--	--

हकृवि में विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों के लिए सुरक्षा व्यवस्था होगी और अधिक सुदृढ: प्रो. काम्बोज

जगमार्ग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का मानव संसाधन निदेशालय के सभागार में शुभारंभ हुआ। इस प्रशिक्षण का आयोजन जिला पुलिस हिसार के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की जबकि सहायक पुलिस अधीक्षक, हिसार डॉ राजेश कुमार मोहन, आईपीएस विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद रहें। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन ने कहा कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आम नागरिको की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होनें बताया कि सुरक्षा कर्मी प्रशिक्षित, अनुशासित और सक्षम होगा तो वह बेहतर ढंग से अपनी ड्यूटी करेगा। सुरक्षा कर्मचारी शारीरिक तौर पर स्वस्थ होने के साथ-साथ उसका व्यवहार भी अच्छा होना चाहिए। सुरक्षा कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी के प्रति ईमानदार व कार्यकुशल होना भी अति आवश्यक है। सुरक्षा कर्मचारी का व्यवहार नरम होना चाहिए जोकि विश्वविद्यालय की कार्यशाली को दर्शाता है। उन्होनें बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे अपनी ड्यूटी ओर अधिक बेहतर ढंग से कर सकें। विशिष्ठ अतिथि डॉ. राजेश कुमार मोहन ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान हरियाणा पुलिस के उच्च अधिकारियों द्वारा हकृवि के सुरक्षा कर्मियें को सुरक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारी दी जाएगी। किसी भी संस्थान के आगे बढने के लिए उसका सुरक्षा महौल सुदृढ होना भी जरूरी है। उन्होनें बताया कि वह स्वयं तीनों दिन कार्यक्रम में उपस्थित रहकर प्रशिक्षणार्थियों को सुरक्षा तंत्र को प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी देंगे।

p

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	12.12.2024	--	--

संविधान निर्माण व समाज उत्थान में डॉ. भीम राव आंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान : प्रो. काम्बोज

कुरुक्षेत्र। हिसार- 12 दिसंम्बर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के सभागार में भारतीय संविधान के 75 वर्ष होने पर हमारा संविधान- हमारा स्वाभिमान के तहत संविधान सभा में डॉ. अंबेडकर की भूमिका व प्रभाव विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि डॉ. बी.आर. आंबेडकर अध्ययन केंद्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के निदेशक डॉ प्रीतम सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहें व कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने अध्यक्षता की। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारतीय समाज के उत्थान में डॉ. भीम राव आंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान रहा है। जीवनपर्यन्त असमानता, अशिक्षा जैसी बुराइयों को मिटा कर उन्होंने सभी जाति व धर्म के लोगों को एक सूत्र में पिरोकर देश को संगठित किया व समरसता स्थापित की। डॉ. भीम राव आंबेडकर ने संविधान सभा व भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होनें सविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के तौर पर भी कार्य किया। वह एक महान नेता, व समाज सुधारक थे जिन्होनें भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका दृष्टिकोण और विचारधारा मानववादी रही। डॉ आंबेडकर ने शिक्षा, पर्यावरण, कानून और अर्थशास्त्र सहित विभिन्न विषयों पर भी समाज को नई दिशा देने के लिए कार्य किया। उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान को ड्राफ्ट करने में दिए विशेष योगदान के लिए भी हम उन्हें याद करते हैं। भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार द्वारा आगामी एक वर्ष तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएगें जिनमें विद्यार्थियों व आम नागरिकों को संविधान से संबंधित सभी जानकारियां उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्य वक्ता डॉ प्रीतम सिंह ने बताया कि हम संविधान और डॉ. आंबेडकर को अलग-अलग करके नही देख सकतें। उन्होनें बताया कि देश में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व संविधान निर्माता डॉ भीम राव आंबेडकर के बारे में सबसे ज्यादा शोध हुआ है। उन्होनें डॉ आंबेडकर के जनकल्याणकारी कार्यों और उनके योगदान के बारे मे विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि विशाल व्यक्तित्व के धनी डॉ आंबेडकर ने देश की प्रगति और उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है व उनके बारे में अधिक जानने के लिए 25 व 26 नंवम्बर 1949 को उनके द्वारा दिए गए

भाषणों को व संविधान सभा की डिबेट पढनी चाहिए। क्योंकि इससे डॉ आंबेडकर की सविधान के निर्माण में भूमिका के बारे विस्तृत जानकारी मिलती है। उन्होनें बताया कि बहुत सारे लेखकों ने डॉ आंबेडकर के बारे में पुस्तकें लिखी है लेकिन उन लेखकों ने अपनी पुस्तकों में अपने विचार समाहित कर दिए लेकिन प्रसिद्ध भारतीय लेखक धनजंय कीर व दत्तोपंत ठेगड़ी द्वारा लिखित पुस्तक में डॉ आंबेडकर के कार्यों व विचारों को मूल रूप से संकलित किया गया है। मुख्य वक्ता डॉ प्रीतम सिंह ने डॉ आंबेडकर के योगदान के बारे में दो पुस्तकें भी लिखी है। कार्यक्रम में कैंपस स्कूल की छात्रा योगिता व दिव्यांशी, राजकीय उच्च विद्यालय की छात्रा कुमकुम ने संविधान के बारे में अपनी प्रस्तुतियां दी। कुलसचिव एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ पवन कुमार ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच संचालन छात्रा भाग्यश्री ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी, विद्यार्थी मौजूद रहें।